ECONOMIC DEVELOPMENT AND ECONOMIC GROWTH

आर्थिक विकास एवं आर्थिक संवृद्धि

Economic Growth	Economic Development
1 एक समयावधि मे एक अर्थव्यवस्था मे कुल उत्पादन मे वृद्धि	यह उत्पादन मे वृद्धि के साथ-साथ प्रोद्योगिकि की उन्नति, जीवन गुणवत्ता, गरीबी, उन्मूलन, क्षेत्रिय असमानता को कम करनाआदि
2. यह मात्रात्मक होता है	2. यह मात्रात्मक एवं गुणात्मक दोनो होता है।
3. इसका मापन किया जा सकता है।	3. इसका मापन नही किया जा सकता है।
4. यह संकीर्ण और एक आयामी है।	4. यह एक व्यापक और बहुआयामी है।
5. आर्थिक संवृद्धि के सूचक है – GDP per capta Income।	5. आर्थिक विकास के सूचक है। i) लिंग विकास सूंचकाक 2). लिंग असमानता सूंचकाक 3). सकल राष्ट्र खुशहाली सूचकांक 4).

National Income राष्ट्रीय आय

- भारत मे राष्ट्रीय आय का आकलन NSO के द्वारा किया जाता है।
- भारत मे सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का आकलन दादा भाई नौरोजी -[1867-1868] मे किया था।

⇓

[Poverty and unbritish rule In India]

⇓

Drain of wealth (धन का बहिर्गमन)

- इसके आकलन मे स्पष्ट हुआ कि प्रति व्यक्ति आय ₹ 20 थी।
- राष्ट्रीय आय का सर्वप्रथम वैज्ञानिक आकलन — Prof V.K.R.V. Rao

  PCI - ₹ 77.90/-
- सर्वप्रथम राष्ट्रीय आय का औपचारिक आकलन :- National Income committee

  इस कमिति के अध्यक्ष :- P.C. mahalanobis थे।
- विश्व मे राष्ट्रीय आय के जनक :- साइमन कुजनेट - 1971 Nobel prize
- 2015 मे भारत में संयुक्त राष्ट्र पद्धति पर आधारित SNA (2008) को अपनाया (System of National A/c)

घरेलू सीमा रेखा Domestic Territory

- इसमे भारत में राजनैतिक सीमा रेखा के साथ निम्नलिखित भी शामिल होते है

a). दुतावास (Ambassy), वाणिज्यिक दुतावास उच्च आयोग, मैकेंट्री (Army) Base जो अन्य देशो में है।

b). जहाज, Aeroplane Etc आदि जो भारतीय द्वारा दूसरे देशो में ले जाते है।

c). शोध क्षेत्र (Research center) हिमाद्री, भारती मैत्री etc. इन आर्टिक, अंटॉर्टिक, स्पेश में

d). विशिष्ट आर्थिक क्षेत्र (EEZ) 200 Noticals miles
= 370.40Km

⇒ सामान्य निवासी (Normal Residents)

- इसमे व्यक्तियो के साथ-साथ संस्थाएँ भी शामिल होती है। (भारत के)

- विदेशो के नागरिक जो 1 वर्ष से अधिक भारत में है एवं जिनका आर्थिक उद्देश्य भी भारत में है।

- इनमे विदेशो के विद्यार्थी एवं चिकित्सा हेतू आए व्यक्ति शामिल नही होते है।

- सामान्य निवासियो मे शामिल होते है —
Normal Residents Inclods

a) अंतराष्ट्रीय निकाय जैसे IMF, WHO आदि जिनका कार्यालय भारत में है एवं इनमे भारतीय कार्य कर रहे है।

b). विदेशी संस्थाएँ जैसे - विदेशी कम्पनियां Bank आदि जो भारत मे है एवं उनमे भारतीय कार्य कर रहे है।

c). भारत के लोग जो भारत मे विदेशी दुतावास मे कार्य कर रहे है।

सामान्य निवासी में निम्नलिखित शामिल नही होते है –

a). कोई विदेशी निवासी जो विदेश में स्थित भारतीय दुतावास मे कार्य करता है।

b). अंतरराष्ट्रीय संस्थाएँ जिनका कार्यालय भारत मे है एवं उनमे जो विदेशी कार्य करते हैं।

c). भारत मे स्थित विदेशी दुतावास मे कोई विदेशी कार्य कर रहा है।

Types of goods
वस्तुओं के प्रकार

- Final Goods
  - Consumer Goods
    - Durable (White Goods)
    - Non Durable
  - Capital Goods
- Intermediate Goods

1 Intermediate Goods :-

वे वस्तुएँ जो किसी वस्तु के उत्पादन मे प्रयोग की जाती है, एवं इन वस्तुओं का उपभोग उत्पादक द्वारा किया जाता है।

Example :- मध्यवर्ती वस्तुओं का मूल्य GDP के आकलन मे शामिल नही है।

2. Final Goods :- अंतिम वस्तुएँ

वे वस्तुएँ जिनको अंतिम उपयोग के लिए प्रयोग करते है इनका प्रयोग दोनो उत्पादक एवं उपभोक्ता करता है।

NOTE → GDP के आकलन मे सिर्फ अंतिम वस्तुओं का मूल्य शामिल होता है।

Consumer Goods	Capital Goods
उपभोक्ता के द्वारा प्रयोग किया जाता हैं	Producer के द्वारा उपयोग किया जाता है।
उद्देश्य - संतुष्टि	उद्देश्य - profit making

FACTOR COST (साधन लागत)

factor of production (उत्पादन के साधन)		factor payment
1). Land (भूमि)	→	Rent (किराया)
2). Labour (श्रम)	→	Wages (मजदूरी)
3). Capital (पूंजी)	→	Interest (ब्याज)
4). organisation (संगठन)	→	profit (लाभ)

एक उत्पादक द्वारा उत्पादनों के साधनों पर किया गया व्यय ।

2. BASIC PRICE (आधार मूल्य)

- factor cost + production Tax – production Subsidy
- Production Tax - Stamp duty, professional Tax Land revenue, Licence Tax, Registration.
- Production Subsidy – Railway, farmer (fertilizers) Subsidies to village & Small Industries

MARKET PRICE

Market price – Basic price + product tax – Product Subsidy

Product Tax :– Excise Duty, Sells Tax, Service Tax (GST)

उत्पाद सब्सिडी :– food fertilizers, Interest Subsidy (Interest Subvention)

(कम Rate पर Loan) ब्याज माफी

Note – Basic price (आधार मूल्य वह मूल्य है जो एक उत्पादक कम-से-कम बाजार से अपेक्षा करता है ।

- Market price किसी वस्तु का बाजार मे मूल्य से संबंधित है।

- MP – NIT = FC
- NIT – Net Indirect tax (शुद्ध निवल अप्रत्यक्ष कर)
- MP (IT – Sub) = FC
- MP – IT + Sub ⇒ FC

National Income Aggregates
राष्ट्रीय आय समुच्चय

GDP_{mp}	GDP_{FC}
NDP_{mp}	NDP_{FC}
GNP_{mp}	GNP_{FC}
NNP_{mp}	NNP_{FC}

GDP_{mp} – Gross Domestic product at market price

बाजार मूल्य पर सकल घरेलू उत्पाद

NDP_{mp} – Net Domestic product at Market price।

बाजार मूल्य पर शुद्ध घरेलू उत्पाद।

GNP_{mp} – Gross National product at Market price।

बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद।

NNP_{mp} – Net National product at Market price।

बाजार मूल्य पर शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद।

1. GDP_{mp} - (Gross Domestic product at market price)

एक वित्तिय वर्ष में एक देश की घरेलू सीमा क्षेत्र में उत्पादित सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के बाजार मूल्य का योग जिनका उत्पादन सामान्य निवासियों द्वारा हुआ हो जिसमें मूल्य ह्रास शामिल हो।

NOTE – i) इन वस्तुएँ और सेवाओं का मूल्य शामिल होता है जिनका उत्पादन घरेलू सीमा क्षेत्र के अंदर हुआ है।

ii) GDP के आकलन मे सिर्फ अंतिम वस्तुएँ और सेवाओं का मूल्य शामिल होता है।

farmer → mill man → Bakery man

Wheat → flour → Bread/Biscuits

₹ 1000 ₹ 1300 → ₹ 1500 – final price

VA +300 VA +200 ↓ GDP

Value Addition

$1000 + 300 + 200 = 1500 \rightarrow GVA$

$\Sigma GVA = GDA$

⇒ GDP & GVA :-

ΣGVA आधार मूल्य + उत्पाद कर − उत्पाद सब्सिडी $= GDP_{mp}$

- GDP सम्पूर्ण देश से संबंधित होती है But GVA विभिन्न क्षेत्रों एवं उद्यम के मूल वर्धन का योगदान दर्शाता है।

- GDP_{mp} उपभोक्ताओं से संबंधित लेकिन GVA उत्पादकों से संबंधित है।

Types of GDP

current prices

GDP_{PPP}

constant prices →

Base year
↓
2011-2022

Nominal GDP ← GDP → Real GDP

नाममात्र GDP

वास्तविक GDP

Difference between Nominal and Real GDP ·

Nominal GDP	Real GDP
1 Current year production × current year price	1 current year product & Base year price
2. यह मुद्रास्फीति से समायोजित नही होता है	2. यह मुद्रा से समायोजित होती है
3. इनका मापन आसान है·	3. इनका मापन कठिन है।
4. यह वास्तविक GDP से अधिक होता है	4. यह Nominal GDP से कम होता है

5. यह Interquarter comparison तुलना मे मदद करता है।	5. यह विभिन्न वित्तीय वर्ष की तुलना में योगदान देता है।
6. यह आर्थिक समृद्धि के मापन मे मदद नही करता है।	6. यह आर्थिक समृद्धि दर को मापने में सहायक है।

	2021-22		2020-21		2021-22		2022-23		2022-23	
	Qt.	Price	Qt.	Price	Qt.	Price	Qt.	Price	Qt.	Price
Wheat	100	₹500	150	₹700	80	₹1200	200	₹400	200	₹500
Rice	700	₹1000	1000	₹1200	300	₹2500	1500	₹600	1500	₹1000
	50,000 70,000		10,500 12,0000		96,000 75,000		80,000 90,0000		100,000 1500,000	
	₹75,0000		₹13,05,000		₹8,46,000		₹980,000		₹16,00,000	

↓ Nominal GDP ↓ Real GDP

Value Addition = value of output − Intermediate consumption
मूल्य संवर्धन = निर्गत का मूल्य − मध्यवर्ती उपभोग

VA = Sales + change In stock − IC (purchases)
स्टॉक मे परिवर्तन

VA = Sales + CS − OS − IC

PS + SS + TS = **GVA**
VA VA VA

- 2022-2023 Annual Growth Rate (वार्षिक वृद्धि दर)
GDP – 7.2%

- 2022-23 के आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक दर 7%

- Economic Survey 2022-23 ने 2023-24 के लिए आर्थिक समृद्धि दर को 6 से 6.8% तक होने का अनुमान लगाया।

- 12 June 2023 को भारत की GDP $ 3.75 Trillian हो गई एवं नाममात्र GDP के आधार पर भारत विश्व में पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है

- 2021-22 ($2.85 trillian) (234.71 RS – trillian)

- 2022-23 ($3.30 trillian) (RS – 272.41 trillian)

भारत की GDP समृद्धि दर – (Real GDP)

2019-2020 = 3.7%

2020-2021 = –6.6%

2021-2022 = 8.7%

2022-2023 = 7.0% (7.2%)

2023-2024 = 6.0% – (6.8%)

2022-2023 – per capta Income

RS – 1 Lakh 72 thousand

विश्व मे भारत की रैंक

Nominal GDP — 5th Rank

GDP_{PPP} — 3rd Rank

⇒ भारत की Growth Rate का क्या -क्या कारण है:-

- Growth Rate का निम्नलिखित कारण है ।

1. उपभोक्ता की बढ़ती हुई माँग ।
2. प्रभावी वित्तिय प्रबंधन
3. अधिक बचत दर
4. अनुकूल जन सांख्यिकी ।

* Changes In the National Income calculation After Adopting (SNA-2008-2015)

SNA 2008 से 2015 मे स्वीकार करने के बाद निम्नलिखित परिवर्तन हुए ।

1. आधार वर्ष मे परिवर्तन (2004-05 to 2011-12)
2. आंकडो को एकत्रित करने का आधार बढ़ाया गया ।
3. पहले 2 Lakh कम्पनियों के आंकड़ो को एकत्रित किया जो कि अब 5 Lakh है ।
4. पहले आर्थिक वृद्धि का मुख्य कारक GDP_{FC} था लेकिन अब GDP_{mp} है।

* सरकार ने GVA$_{BP}$ को क्षेत्रवार योगदान के लिए आर्थिक संमृद्धि मापन का प्रमुख घटक बनाया है।

NDP_{mp} - Net Domestic product at Market Price (निवल घरेलू उत्पाद बाजार मूल्य पर)

$$GDP_{mp} - \text{Depreciation} = NDP_{mp}$$

NOTE → यदि कुल उत्पादन में उत्पादन के कारण होने वाले मूल्यह्रास को घटा दिया जाय तब निवल (शुद्ध) का आकलन होता है।

- GDP_{mp} एक देश में कुल उत्पादन को दर्शाता है।
- लेकिन NDP बताता है कि एक देश में कुल उत्पादन होने से मूल्य ह्रास कितना हुआ

$$\text{Gross} - \text{Depreciation} = \text{Net}$$

* GNP_{mp}

GDP_{mp} + NFIA

Domestic + NFIA

NFIA → Net factor Income from Abroad
विदेशों से प्राप्त शुद्ध साधन आय

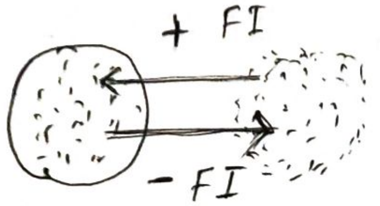

NFIA = Exports - Imports

निर्यात — आयात

Domestic + Exports - Imports
NFIA

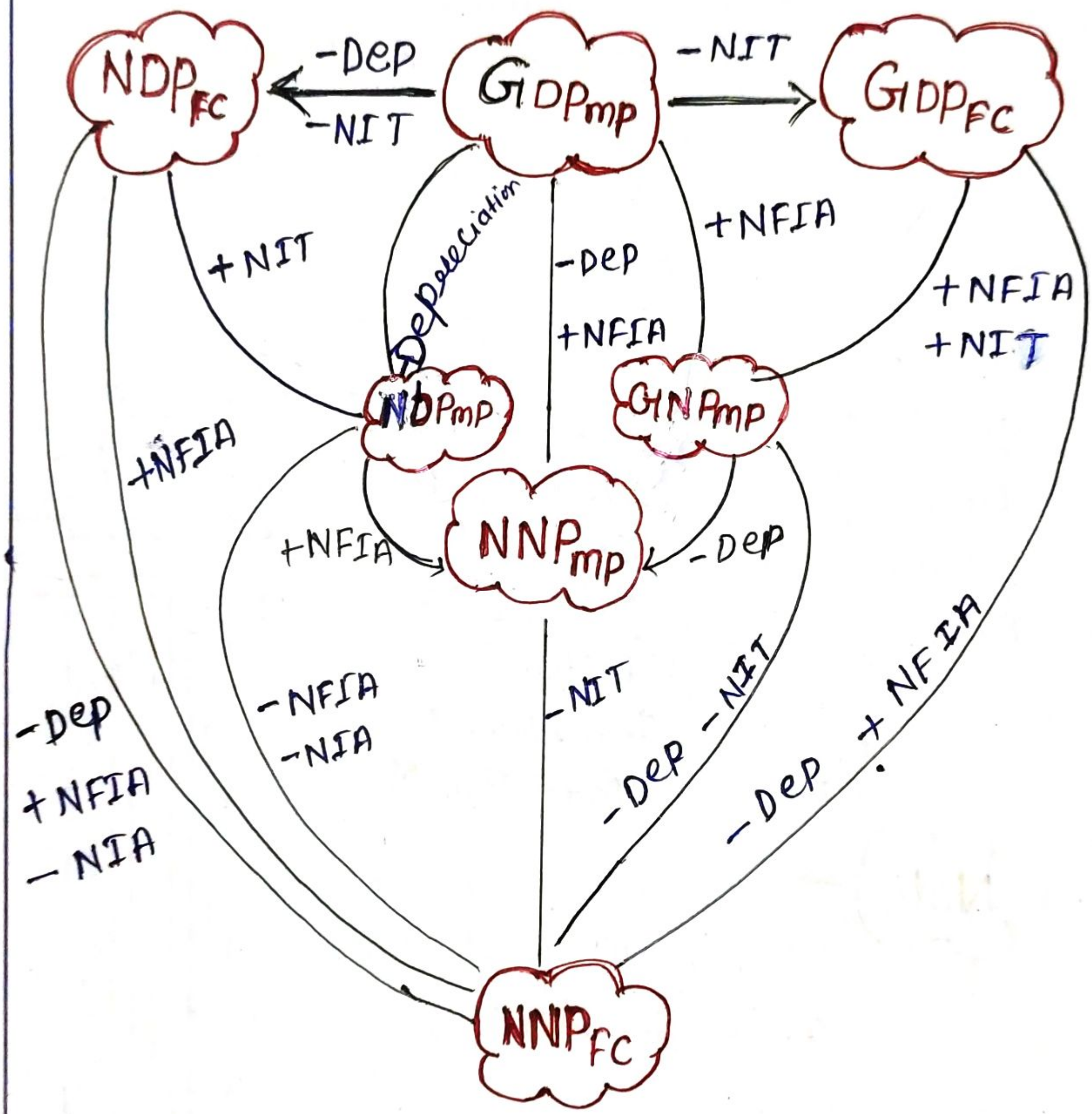

National Income

राष्ट्रीय आय को मापने की विधियाँ
Methods of Calculating National Income

Methods of Calculating National Income

- Product Method / उत्पादन विधि
- Income Method / Distribution Method (आय विधि / वितरण विधि)
- Expenditure Method / consumption Method व्यय विधि

Note → भारत में GDP आकलन के लिए दो विधियों का प्रयोग होता है।

1. उत्पादन विधि (Product Method)

मूल्यविधि विधि Value added Method

- Primary Sector → (VA) +
- Secondary Sector → (VA)
- Tertiary Sector → (VA) = Σ GVA

(VA) + (VA) ⇒ (VA) = Σ GVA

GDP_{mp}

Income Method

Compensation of Employee (कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति या मुआवजा)

⇓

1. Wages and Salaries – cash / kind
   मजदूरी एवं वेतन (नगद / वस्तु)
2. Retirement Pension (सेवानिवृत)
3. Employer's Contribution to the Social Security Schemes
   सामाजिक सुरक्षा योजना हेतु नियुक्ता के द्वारा योगदान / अंशदान

Operating Surplus (परिचालन अधिशेष)

⇓

Rent + Royalty + Interest + Profit

Mixed Income / unorganised / (मिश्रित आय)

⇓

Unorganised (गैर-संगठित)

↓

Self Employment
स्व-रोजगार

$$\boxed{A+B+C = NDP_{FC} + NFIA} = NNP_{FC}$$

↓

National Income

Expenditure Method / Consumption Method (व्यय विधि)

$$GDP_{mp} = C + I + G + X - M$$

X − M → Net निवल निर्यात

C — Consumption Expenditure (उपभोग व्यय)

I — Invesment Expenditure (निवेश व्यय)

G — Government Expenditure (सरकार का व्यय)

X — Export (निर्यात)

M — Import (आयात)

1) private final consumption Expen. निजि अंतिम उपभोग व्यय

2) Govt. final Cons. Expr. · सरक

3) GDCF

4) Net Export

Consumption Expenditure

→ उपभोग व्यय

उपभोक्ता - satisfaction

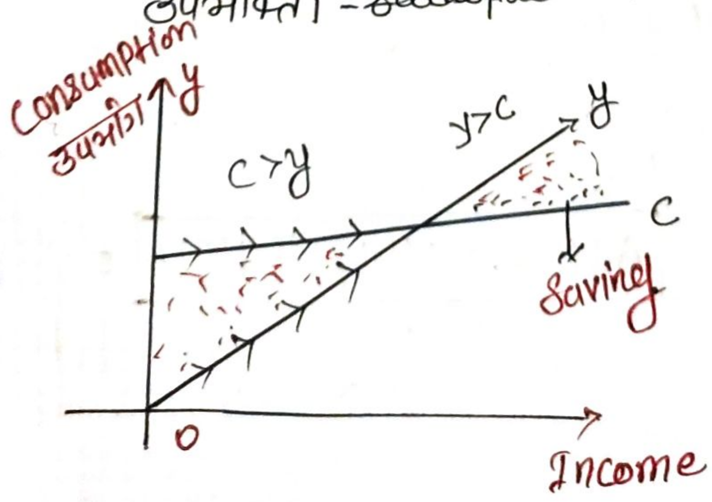

- यदि आय बढ़ती है तब उपभोग भी बढ़ता है।
- अर्थात आय एवं उपभोग सकारात्मक रूप से सम्बंधित है।
- एक बिंदु पर पहुँचने के बाद आय में व्यय उपभोग में व्यय से अधिक होता है।
- अर्थात लोग मुद्रा की बचत करना प्रारम्भ करते हैं।

MPC — Marginal propencitic to Consume (उपभोग की सीमांत प्रवृति)

$$MPC = \frac{\Delta C}{\Delta y}$$

J.M Keynes के अनुसार

$$\frac{\Delta C}{\Delta y} < 1$$

Investment Expenditure निवेश व्यय

- निवेश उत्पादकों के द्वारा होता है
- निवेश का मुख्य उद्देश्य आर्थिक लाभ अर्थात मुद्रा अर्जित करना होता है।
- निवेश का तात्पर्य परिसम्पतियो, मशीनो कच्चे माल आदि से है

- निवेश अधिकांश दीर्घकालीन होता है। अर्थात एक वर्ष से अधिक।

- Keynes के अनुसार, निवेश एवं ब्याज दर नकारात्मक रूप से सम्बन्धित हैं अर्थात ब्याज दर के बढ़ने से निवेश कम होता है एवं इसके विपरित।

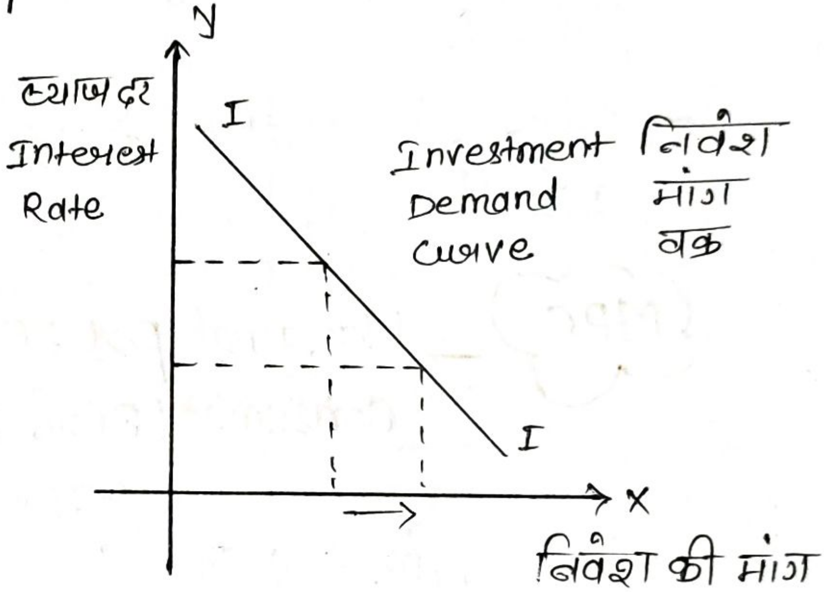

Government Expenditure
सरकार के व्यय

- उपभोग व्यय
  - छात्रवृति
  - वृद्धावस्था पेंशन
  - Unemployment
- निवेश व्यय Investment EXP
  - Metros, Railway
  - Road, Dems

Export निर्यात

- जब विदेशी निवाशी भारतीय वस्तुओं को खरिदते हैं, चाहे वे अपने देश में खरिदे या भारत में।

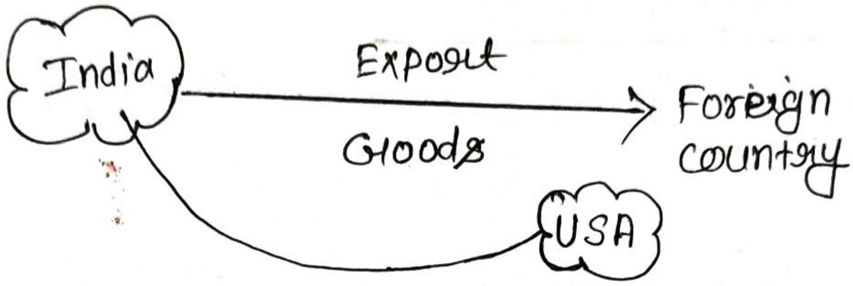

Import आयात

- जब भारतीय निवासी भारत में या विदेशी देश मे वस्तुओं और सेवाओं को खरिदते हैं या फिर अपने देश।

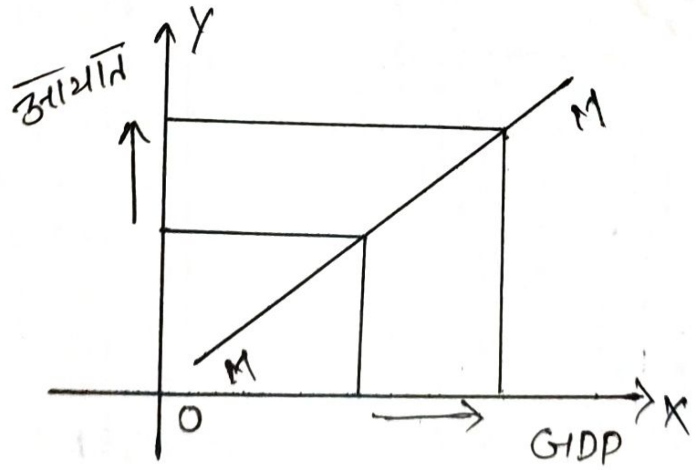

Import, Export → According to keynes

- सामान्यत: किसी देश के लिए निर्यात अधिक होते हैं एवं आयात कम तो इसे अच्छा माना जाता हैं

क्योंकि इससे व्यापार अधिशेष होता है।

- यदि आयात निर्यात से अधिक हो तब इसे व्यापार घाटे के रूप में समझा जाता है।

- Keynes के अनुसार,

(i). किसी देश के लिए आयात एवं निर्यात दोनों ही अच्छे होते हैं

ii). यदि निर्यात बढ़ता है — उत्पादन का स्तर बढ़ता है, रोजगार बढ़ता है भारत में विदेशी पूँजी बढ़ती हैं etc.

iii) यदि आयात में वृद्धि होती है — यह दर्शाता है कि भारत में विदेशी वस्तुओं और सेवाओं की अधिक भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है

NOTE — यदि हम उत्पादनशील परिसम्पत्तियों का आयात करते हैं जैसे मशीनें एवं अन्य उपकरण तब यह हमारे देश के और अनुकूल है क्योंकि इससे हमारे देश में दीर्घकालीन समय तक उत्पादन में वृद्धि होगी।

- यदि भारत के आयात अधिक निर्यात कम —

यह इंगित करता है कि भारत की अर्थव्यवस्था अच्छी है

Imports ↑

Exports ↓

- यदि भारतीय अर्थव्यवस्था विदेशी अर्थव्यवस्था की तुलना में कमजोर है –

Imports ↓

Exports ↑

Economic Growth

राष्ट्रीय आय समुच्चय

- GDP, GNP NNP PCI

Gross Domestic Fixed capital

- GDCF & ICOR
- ↓

Level of Investment

निवेश का स्तर

- Incrimental

Gross fixed capital formation :-

- इसका अभिप्राय एक विशिष्ट अवधि के दौरान किसी देश के अंदर भवन, मशीन, उपकरण, बुनियादी ढाँचा जैसी भौतिक परिसम्पत्तियों के उत्पादन में किए गए कु निवेश की कुल राशि को संदर्भित करता है।

- यह देश के पूँजी भंडार और उत्पादक क्षमता में वृद्धि का संकेत देता है

- ~~यह देश के~~

— यदि किसी अर्थव्यवस्था का पूंजी निर्माण जितना अधिक होगा, उस देश की आर्थिक समृद्धि उतनी ही होगी।

— Gross fixed capital formation मे शामिल होता है

— A) Buildings
B) Machine और उपकरण
C) तकनीक
D) Defence wepones.

Incrimental capital output Ratio
वृद्धिशील पूंजी निर्गत अनुपात

$$ICOR = \frac{\Delta I}{\Delta O}$$

ΔI – निवेश मे परिवर्तन (change in Investment)
ΔO = निर्गत मे परिवर्तन (Chang in output)

/ ICOR

अर्थव्यवस्था मे किये गये निवेश की मात्रा एवं उससे GDP मे वृद्धि के बीच सम्बन्ध को दर्शाती है।

$$ICOR = \frac{\Delta I}{\Delta O}$$

$$ICOR_1 = \frac{10}{5} = 2$$

$$ICOR_2 = \frac{5}{10} = 0.5$$

- $ICOR_2$, $ICOR_1$ से बेहतर है

- यदि ICOR कम है तब वह यह संकेत देता है कि देश के उत्पादन स्तर में कुशलता है।

- 2022 में ICOR 3.5

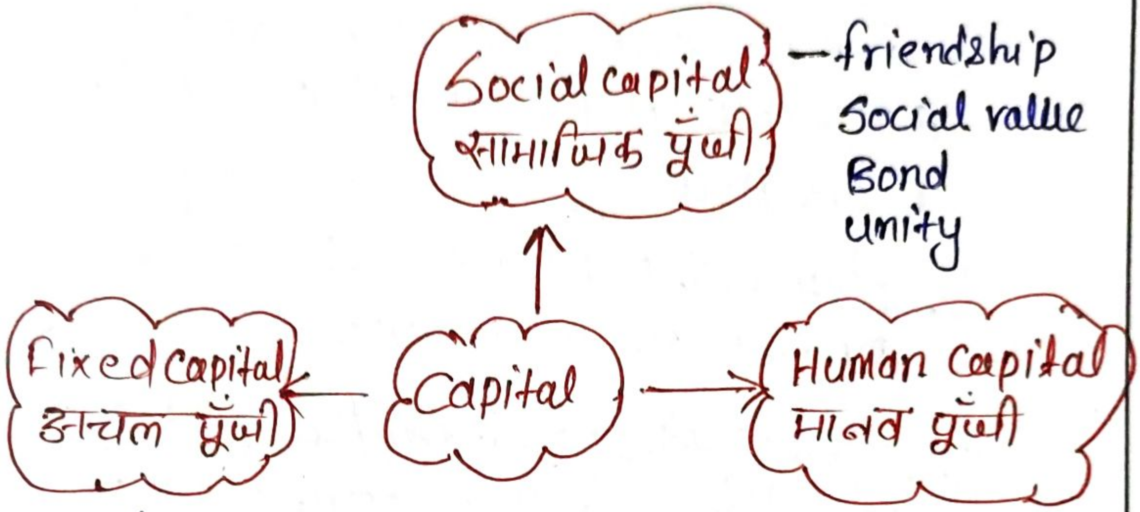

⇓

Machine, Buildings
Roads, Dams, Railways
Bridges, power plants.

⇓

सरकार → Health
Education
Skills
Training

Types of Income

1) National Income :- NNP_{FC}

2). Per capita Income :- $\frac{NI/NNI/NNP_{FC}}{\text{कुल जनसंख्या}}$

3). Private Income (निजि आय)

a) Income of private Sectors
निजि क्षेत्रो की आय

b) NFIA

c). शेष विश्व से प्राप्त निवल वर्तमान हस्तान्तरण Net current tranfer from RoW

d). National Debt Interest
राष्ट्रीय ऋणो पर ब्याज

e) सरकार से प्राप्त वर्तमान हस्तानान्तरण
current transfer form Govt.

4). Personal Income (वैयक्तिक आय)

Private Income – corporate Tax
– Undistributed Profit.

Corporate Tax
निगम कर
|
Profit — लाभांश
Dividend
|
Undistributed
Profit

वैयक्तिक प्रयोज्य आय

5. Personal Disposable Income

Personal income − $\frac{\text{Direct tax}}{\text{प्रत्यक्ष कर}}$

− Misc. fee & fines

राष्ट्रीय आय में शामिल नहीं होता है
Non Included in National Income

1. Second hand वस्तुओं को खरिदने मे बेचने से प्राप्त आय

2. Income earned गैर-कानूनी विधियों से प्राप्त आय – तस्करी, जुआ, लॉटरी,

3. मध्यवर्तीय, वस्तुओं का मुल्य

4. विदेशी कम्पनियों द्वारा भारत में कमाई गई आय।

5. स्थानान्तरण / हस्तान्तरित भुगतान (बिना सेवा के मिलना / छात्रवृति, वृद्धावस्था पैंशन)

6. Household (पारिवारिक सेवाएँ)

राष्ट्रीय आय के आकड़े
National Income Estimates

National Income Estimates - 2022-23

1. 2022-2023 Real GDP 160.06 Lakh crore
   ↓
   7.2% Growth Rate

2. 2021-2022 Real GDP 149.26 Lakh crore

Nominal GDP

- 2021-2022: ₹ 234.71 Lakh crore
- 2022-2023: ₹ 272.41 Lakh crore

GVA At Basic price - 2011-12 की कीमतों

- 2021-22: 8.8%
- 2022-23: 0.7%

GDPmp - 2011-12

- 2021-22: 9.1%
- 2022-23: 7.2%

2022-23 per capita Income - RS-1,72,276

Percentage change - 2011-12

⇓

GVA_{BC} - (2011-12)

⇓

1. Agriculture → (2021-2022) - 3.5%.
   → (2022-2023) - 4.0%.

Percentage change in Main Indicator
मुख्य सांख्यकी के प्रमुख संकेतन

Indicator	2021-22	2022-23
Production of Coal	8.5%	14.8%
Production of Rice	5.0%	4.1%
कच्चे तेल का उत्पादन Production of Crude oil	8.5%	-1.7%
Production of Cement	-2.6%	8.6%
Consumption of Steel	11.4%	13.3%
Total Telephone Subscribers	-2.8%	0.5%
CPI General Index	5.5%	6.3%